फर्स्ट न्यूज़
Bikaner
डिजीटल ई-पेप

विनोद जोशी (जाजड़ा) मो. 9660847946 30 मई 2025, शुक्रवार, बीकानेर

राष्ट्रपति भवन में साहित्य अकादेमी द्वारा साहित्यिक सम्मेलन का आयोजन

स्थायी मानवीय मूल्य की स्थापना कालजयी साहित्य की पहचान होती है : द्रौपदी मुर्मु

नई दिल्ली। साहित्य अकादेमी और राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में आज 'कितना बदल चुका है साहित्य? विषयक दो दिवसीय साहित्यिक सम्मिलन का उद्घाटन भारत की माननीय राष्ट्रपति महामहिम श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र, नई दिल्ली में किया। उन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि 140 करोड़ देशवासियों के हमारे परिवार में अनेक भाषाएँ और अनगिनत बोलियाँ है तथा साहित्यिक परंपराओं की असीम विविधता है। लेकिन इस विविधता में भारतीयता का स्पंदन महसूस होता है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित भारत सरकार के माननीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि साहित्य समाज के, समाज की भावनाओं के और समाज की स्थितियों के दर्पण स्वरूप है तथा दर्पण होने के साथ-साथ यह समाज के मार्गदर्शन का काम भी करता है। उन्होंने आगे कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश सांस्कृतिक पुनरुद्धार के दौर से गुजर रहा है। स्वागत भाषण के पश्चात् साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष श्री माधव कौशिक ने माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु तथा माननीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत का अंगवस्त्रम और पुस्तक भेंट कर अभिनंदन एवं स्वागत किया। सत्रों का संचालन श्रीमती अलका सिन्हा द्वारा किया गया। कल पूरे दिन 'भारत की स्त्रीवादी साहित्य : नए आधार की तलाश में', 'साहित्य में परिवर्तन बनाम परिवर्तन का साहित्य' एवं 'वैश्विक परिप्रेश्य में भारतीय साहित्य की नई दिशाएँ' विषयक तीन सत्रों में साहित्य के बदले स्वरूपों पर प्रतिष्ठित भारतीय लेखकों एवं विद्वानों द्वारा विचार-विमर्श होगा। अंत में देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के अवसर पर हिमांशु बाजपेयी तथा प्रज्ञा शर्मा द्वारा अहिल्याबाई गाथा की प्रस्तुति की जाएगी।